► র্ম্মির ন্ম্রাম্ম্র মে শ্রাম্ম মে শ্রিম্র মে শ্রেম্মির ন্ম্রাম্ম মে শ্রেম্মির মে শ্রেম্মির মে শ্রেম্মির মে শ্রেম্মির মে whose mind was absorbed in the supreme vehicle, ... ⟨CPP⟩

ब्रह्म त्याः अर्केगः तुः मार्बिय। व्याः त्याः त

चेत्र '(ग्रेक्ष') मॉर्ब्स्या चेत्र '(ग्रेक्ष') मॉर्ब्स्या ॰ to face; to be inclined (toward) • {GVS} parināmikatvam (= byin gyis gzhol ba nyid)

नवर्। ।।। नवर्। नवर्।

to laugh

নৰ্দ্ৰ নাট্ৰম প্ৰশা • caus.imp. to elicit laughter

२५'(हु')पब्रा २५'(हु')पब्रा २५'(हु')पब्रा \circ to fully blossom

प्रवर्ग v प्रवर्ग प्रवर्ग पर्वर्ग

to shave off; to shear off ∘ (pari-√vap): {LCh} parivāpita

प्रब्री v पर्वेश पर्वे। पर्वेश

प्रविग्रा II पर्वग्रा पर्वग्रा

to dwell; to sit; to remain; to be contained o (ni-√sad): {BCA} niṣīdantu; (vi-√hā): {GST} vijahāra Þ पर्डेंबा खूद त्र्रा कुता र्वेते । विप व.व.मूर.मु.स्ट.स्यु.र्.ज.र्म.शूट.मु.र्म. त्रव केव रं रूर। चर क्व लेब मार्य रेपते र्वो त्रवःकेवः यं द्रः वर्षः गृर्वेगः तः प्रवृण्या The Bhagavān was dwelling in Rājagrha on Vulture Peak together with a great community of monks and a great community of bodhisat-[He] is seated on the throne of a moon and a rat. {GGT} • 킖'디션'씨도'ቾ'디도'킖도'훠씨'ূ피도' মন্ত্ৰ্মাথা [He] is seated cross-legged on a crescent moon and lotus. (YIA) - চের্চ্-অবি শ্রহ रूष्र पदीर पपुर पर्देश ग्रेषु . संशा प्रथम . र्या जञ्ञ.पर्स्रेज.ब्री.र्जु.शुब्रा.कुथ.वी.च.जथ.रुब्यथ.जञ्ज. क्ट. ट्रिते इस धर प्रमु प्राप्त विषय में From within The Presentation of Collected Topics Revealing the Meaning of the Texts on Valid Cognition, the Magical Key to the Path of Reasoning, the "Introductory Path of Reasoning" is [herein] contained. {D1} • স্ব্র সূত্র র্মতা মহান ক্রাতা প্রান্ত্রাতা Other sections remain exactly in order. {GCG}

AUX.:

र्षेत्र .पर्यं .संस्थाः सेतृ .सर्यं .चं स्वेचकाः सर्यः स्वातः स